

मध्य प्रदेश में चिकित्सा पाठ्यक्रम को हन्दि में पढाने की तैयारी प्रारंभ

चर्चा में क्यों?

3 फरवरी, 2022 को मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री वशिवास कैलाश सारंग ने बताया कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का पाठ्यक्रम हन्दि में कयि जाने के परपालन में चिकित्सा शिक्षा वभिग द्वारा कार्यवाही शुरु कर दी गई है ।

प्रमुख बदि

- प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा वभिग के अधीन संचालति चिकित्सा महावदियालयों में चिकित्सा पाठ्यक्रम को हन्दि में पढाए जाने की कार्यवाही के अनुक्रम में गांधी चिकित्सा महावदियालय, भोपाल से इसकी शुरुआत की जाएगी ।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शविराज सहि चौहान द्वारा गणतंत्र दविस पर प्रदेशवासियों के नाम अपने संदेश में प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का पाठ्यक्रम हन्दि में कयि जाने की घोषणा की गई थी ।
- इस कार्यवाही के पूरण होने पर मध्य प्रदेश देश में प्रथम राज्य होगा, जहाँ चिकित्सा शिक्षा का पाठ्यक्रम एवं अध्यापन हन्दि में होगा ।
- प्रथम चरण में चिकित्सा शिक्षा के पाठ्यक्रम को पढाते समय चिकित्सा शिक्षकों द्वारा हन्दि भाषा का अधिकाधिक प्रयोग कयि जाएगा । साथ ही प्रथम वर्ष के चिकित्सा छात्रों की स्टडी कर आकलन कयि जाएगा । पहले हन्दि पृष्ठभूमि के छात्रों का 2 माह अंगरेजी माध्यम से एवं 2 माह हन्दि भाषा के उपयोग से पठन-पाठन का आकलन भी कयि जाएगा ।
- द्वतीय चरण में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के 3 वषियों (एनाटॉमी, फजियोलॉजी एवं बायो-केमिस्ट्री) की पूरक संदर्भ पुस्तकों को हन्दि भाषा में तैयार कयि जाएगा । इस कार्य-योजना को पूरा करने के लयि 3 समति बनाई गई है ।
- चिकित्सा पाठ्यक्रम में हन्दि के उपयोग एवं हन्दि में पूरक संदर्भ पुस्तकों को तैयार करने की कार्य-योजना बनाने के लयि समति गठति की गई है । कार्य-योजना को मूरत रूप देने के लयि अटल बहारी हन्दि विश्वदियालय का मार्गदर्शन प्राप्त कयि जाएगा । इससे इस प्रकल्प का क्रयान्वयन सुनश्चति हो सकेगा ।
- एमबीबीएस प्रथम वर्ष के वषिय एनाटॉमी, फजियोलॉजी एवं बायो-केमिस्ट्री की हन्दि में पूरक संदर्भ पुस्तकें तैयार करने के लयि उप समति गठति की गई है ।
- द्वतीय उप समति द्वारा हन्दि में तैयार कयि गए वषिय को पुनः सूक्ष्म रूप से परष्कृत करने के लयि एक सत्यापन उप समति भी गठति की गई है ।